13

क्रिया

परिभाषा	धातु	मूल क्रिया	प्रकार	प्रयोग	काल
भेद	परिवर्तन	वाच्य	प्रकार	वाच्य	परिवर्तन

क्रिया वाक्य को पूर्ण बनाती है। इसे ही वाक्य का 'विधेय' कहा जाता है। वाक्य में किसी काम के करने या होने का भाव क्रिया ही बताती है। अतएव, 'जिससे काम का होना या करना समझा जाय, उसे ही 'क्रिया' कहते हैं।' जैसे—

लड़का मन से पढ़ता है और परीक्षा पास करता है।

उक्त वाक्य में 'पढ़ता है' और 'पास करता है' क्रियापद हैं।

1. क्रिया का सामान्य रूप 'ना' अन्तवाला होता है। यानी क्रिया के सामान्य रूप में 'ना' लगा रहता है। जैसे—

खाना : खा　　　　पढ़ना : पढ़
सुनना : सुन　　　　लिखना : लिख आदि।

नोट : *यदि किसी काम या व्यापार का बोध न हो तो 'ना' अन्तवाले शब्द क्रिया नहीं कहला सकते। जैसे—*

सोना महँगा है।　　　　*(एक धातु है)*
वह व्यक्ति एक आँख से काना है।　　　　*(विशेषण)*
उसका दाना बड़ा ही पुष्ट है।　　　　*(संज्ञा)*

2. क्रिया का साधारण रूप क्रियार्थक संज्ञा का काम भी करता है। जैसे—

सुबह का टहलना बड़ा ही अच्छा होता है।

इस वाक्य में 'टहलना' क्रिया नहीं है।

निम्नलिखित क्रियाओं के सामान्य रूपों का प्रयोग क्रियार्थक संज्ञा के रूप में करें :

नहाना	कहना	गलना	रगड़ना	सोचना
हँसना	देखना	बचना	धकेलना	रोना

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियार्थक संज्ञाओं को रेखांकित करें :

1. माता से बच्चों का रोना देखा नहीं जाता।
2. अपने माता-पिता का कहना मानो।
3. कौन देखता है मेरा तिल-तिल करके जीना।
4. हँसना जीवन के लिए बहुत जरूरी है।
5. यहाँ का रहना मुझे पसंद नहीं।
6. घर जमाई बनकर रहना अपमान का घूँट पीना है।
7. मजदूरों का जीना भी कोई जीना है?
8. सर्वशिक्षा-अभियान का चलना बकवास नहीं तो और क्या है?
9. बड़ों से उनका अनुभव जानना जीने का आधार बनता है।
10. गाँधी को भला-बुरा कहना देश का अपमान करना है।

www.classroomnotes.in

मुख्यतः क्रिया के दो प्रकार होते हैं—

1. सकर्मक क्रिया

"जिस क्रिया का फल कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़े, उसे 'सकर्मक क्रिया' (Transitive verb) कहते हैं।"

अतएव, यह आवश्यक है कि वाक्य की क्रिया अपने साथ कर्म लाये। यदि क्रिया अपने साथ कर्म नहीं लाती है तो वह अकर्मक ही कहलाएगी। नीचे लिखे वाक्यों को देखें :

(i) प्रवर अनू पढ़ता है। *(कर्म-विहीन क्रिया)*

(ii) प्रवर अनू पुस्तक पढ़ता है। *(कर्मयुक्त क्रिया)*

प्रथम और द्वितीय दोनों वाक्यों में 'पढ़ना' क्रिया का प्रयोग हुआ है; परन्तु प्रथम वाक्य की क्रिया अपने साथ कर्म न लाने के कारण अकर्मक हुई, जबकि द्वितीय वाक्य की वही क्रिया अपने साथ कर्म लाने के कारण सकर्मक हुई।

2. अकर्मक क्रिया

"वह क्रिया, जो अपने साथ कर्म नहीं लाये अर्थात् जिस क्रिया का फल या व्यापार कर्त्ता पर ही पड़े, वह अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb) कहलाती है।" जैसे—

उल्लू दिनभर सोता है।

इस वाक्य में 'सोना' क्रिया का व्यापार उल्लू (जो कर्त्ता है) ही करता है और वही सोता भी है। इसलिए 'सोना' क्रिया अकर्मक हुई।

कुछ क्रियाएँ अकर्मक सकर्मक दोनों होती हैं। नीचे लिखे उदाहरणों को देखें—

1. उसका सिर खुजलाता है। *(अकर्मक)*
2. वह अपना सिर खुजलाता है। *(सकर्मक)*
3. जी घबराता है। *(अकर्मक)*
4. विपत्ति मुझे घबराती है। *(सकर्मक)*
5. बूँद-बूँद से तालाब भरता है। *(अकर्मक)*
6. उसने आँखें भर के कहा *(सकर्मक)*
7. गिलास भरा है। *(अकर्मक)*
8. हमने गिलास भरा है। *(सकर्मक)*

जब कोई अकर्मक क्रिया अपने ही धातु से बना हुआ या उससे मिलता-जुलता सजातीय कर्म चाहती है तब वह सकर्मक कहलाती है। जैसे—

सिपाही रोज एक लम्बी दौड़ दौड़ता है।

भारतीय सेना अच्छी लड़ाई लड़ना जानती है/ लड़ती है।

यदि कर्म की विवक्षा न रहे, यानी क्रिया का केवल कार्य ही प्रकट हो, तो सकर्मक क्रिया भी अकर्मक-सी हो जाती है। जैसे—

ईश्वर की कृपा से बहरा सुनता है और अंधा देखता है।

एक प्रेरणार्थक क्रिया होती है, जो सदैव सकर्मक ही होती है। जब धातु में आना, वाना, लाना या लवाना, जोड़ा जाता है तब वह धातु 'प्रेरणार्थक क्रिया' का रूप धारण कर लेता है। इसके दो रूप होते हैं :

धातु	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक	धातु	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
हँस	हँसाना	हँसवाना	जी	जिलाना	जिलवाना
सुन	सुनाना	सुनवाना	धो	धुलाना	धुलवाना

www.classroomnotes.in

शेष में आप आना, वाना, लाना, लवाना, जोड़कर प्रेरणार्थक रूप बनाएँ :

कह पढ़ जल मल भर गल सोच बन देख निकल रह पी रट छोड़

जा *भेजना* *भिजवाना* टूट *तोड़ना* *तुड़वाना*

अर्थात् जब किसी क्रिया को कर्त्ता कारक स्वयं नहीं करके किसी अन्य को करने के लिए प्रेरित करे तब वह क्रिया 'प्रेरणार्थक क्रिया' कहलाती है।

प्रेरणार्थक रूप अकर्मक एवं सकर्मक दोनों प्रकार की क्रियाओं से बनाया जाता है। प्रेरणार्थक क्रिया बन जाने पर अकर्मक क्रिया भी सकर्मक रूप धारण कर लेती है।

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाओं को छाँटकर उनके प्रकार लिखें : *[C.B.S.E]*

1. हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाये।
2. कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा लगा देता था।
3. गाड़ी छूट रही थी।
4. एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे।
5. नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया।
6. अकेले सफर का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे।
7. दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।
8. जेब से चाकू निकाला।
9. नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए।
10. पानवाला नया पान खा रहा था।
11. मेघ बरस रहा था।
12. वह विद्यालय में पढ़ता-लिखता है।

नोट : *कुछ धातु वास्तव में मूल अकर्मक या सकर्मक हैं; परन्तु स्वरूप में प्रेरणार्थक से जान पड़ते हैं। जैसे*—घबराना, कुम्हलाना, इठलाना आदि।

अकर्मक से सकर्मक बनाने के नियम :

1. दो अक्षरों के धातु के प्रथम अक्षर को और तीन अक्षरों के धातु के द्वितीयाक्षर को दीर्घ करने से अकर्मक धातु सकर्मक हो जाता है। जैसे—

अकर्मक	सकर्मक	अकर्मक	सकर्मक	अकर्मक	सकर्मक	अकर्मक	सकर्मक
लदना	लादना	फँसना	फाँसना	गड़ना	गाड़ना	लुटना	लूटना
कटना	काटना	कढ़ना	काढ़ना	उखड़ना	उखाड़ना	सँभलना	सँभालना
मरना	मारना	पिसना	पीसना	निकलना	निकालना	बिगड़ना	बिगाड़ना
टलना	टालना	पिटना	पीटना				

2. यदि अकर्मक धातु के प्रथमाक्षर में 'इ' या 'उ' स्वर रहे तो इसे गुण करके सकर्मक धातु बनाए जाते हैं। जैसे—

घिरना	घेरना	फिरना	फेरना	छिदना	छेदना	मुड़ना	मोड़ना
खुलना	खोलना	दिखना	देखना				

3. 'ट' अन्तवाले अकर्मक धातु के 'ट' को 'ड़' में बदलकर पहले या दूसरे नियम से सकर्मक धातु बनाते हैं। जैसे—

फटना	फाड़ना	जुटना	जोड़ना	छूटना	छोड़ना	टूटना	तोड़ना

www.classroomnotes.in

क्रिया के अन्य प्रकार

1. पूर्वकालिक क्रिया

"जब कोई कर्त्ता एक क्रिया समाप्त करके दूसरी क्रिया करता है तब पहली क्रिया 'पूर्वकालिक क्रिया' कहलाती है।" जैसे—

चोर उठ भागा। *(पहले उठना फिर भागना)*
वह खाकर सोता है। *(पहले खाना फिर सोना)*

उक्त दोनों वाक्यों में 'उठ' और 'खाकर' पूर्वकालिक क्रिया हुईं।

पूर्वकालिक क्रिया प्रयोग में अकेली नहीं आती है, वह दूसरी क्रिया के साथ ही आती है।

इसके चिह्न हैं—धातु + ०	—	उठ, जाना	....
धातु + के	—	उठके, जाग के	....
धातु + कर	—	उठकर, जागकर	....
धातु + करके	—	उठकरके, जागकरके	....

नोट : *परन्तु, यदि दोनों साथ-साथ हों तो ऐसी स्थिति में वह पूर्वकालिक न होकर क्रियाविशेषण का काम करता है।* जैसे—वह बैठकर पढ़ता है।

इस वाक्य में 'बैठना' और 'पढ़ना' दोनों साथ-साथ हो रहे हैं। इसलिए 'बैठकर' क्रिया विशेषण है। इसी तरह निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों पर विचार करें—

(a) बच्चा दौड़ते-दौड़ते थक गया। *(क्रियाविशेषण)*
(b) खाया मुँह नहाया बदन नहीं छिपता। *(विशेषण)*
(c) बैठे-बैठे मन नहीं लगता है। *(क्रियाविशेषण)*

2. संयुक्त क्रिया

"जो क्रिया दो या दो से अधिक धातुओं के योग से बनकर नया अर्थ देती है यानी किसी एक ही क्रिया का काम करती है, वह 'संयुक्त क्रिया' कहलाती है।" जैसे—

उसने खा लिया है। *(खा + लेना)*
तुमने उसे दे दिया था। *(दे + देना)*

अर्थ के विचार से संयुक्त क्रिया के कई प्रकार होते हैं—

1. निश्चयबोधक : धातु के आगे उठना, बैठना, आना, जाना, पड़ना, डालना, लेना, देना, चलना और रहना के लगने से निश्चयबोधक संयुक्त क्रिया का निर्माण होता है। जैसे—

(a) वह एकाएक बोल उठा।
(b) वह देखते-ही-देखते उसे मार बैठा।
(c) मैं उसे कब का कह आया हूँ।
(d) दाल में घी डाल देना।
(e) बच्चा खेलते-खेलते गिर पड़ा।

2. शक्तिबोधक : धातु के आगे 'सकना' मिलाने से शक्तिबोधक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे—

दादाजी अब चल-फिर सकते हैं।
वह रोगी अब उठ सकता है।
कर्ण अपना सब कुछ दे सकता है।

3. समाप्तिबोधक : जब धातु के आगे 'चुकना' रखा जाता है, तब वह क्रिया समाप्तिबोधक हो जाती है। जैसे—

मैं आपसे कह चुका हूँ। वह भी यह दृश्य देख चुका है।

www.classroomnotes.in

4. नित्यताबोधक : सामान्य भूतकाल की क्रिया के आगे 'करना' जोड़ने से नित्यताबोधक क्रिया बनती है। जैसे—

तुम रोज यहाँ आया करना।
तुम रोज चैनल देखा करना।

5. तत्कालबोधक : सकर्मक क्रियाओं के सामान्य भूतकालिक पुँ० एकवचन रूप के अंतिम स्वर 'आ' को 'ए' करके आगे 'डालना' या 'देना' लगाने से तत्कालबोधक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे—

कहे डालना, कहे देना, दिए डालना आदि।

6. इच्छाबोधक : सामान्य भूतकालिक क्रियाओं के आगे 'चाहना' लगाने से इच्छाबोधक क्रियाएँ बनती हैं। इनसे तत्काल व्यापार का बोध होता है। जैसे—

लिखा चाहना, पढ़ा चाहना, गया चाहना आदि।

7. आरंभबोधक : क्रिया के साधारण रूप 'ना' को 'ने' करके लगना मिलाने से आरंभ बोधक क्रिया बनती है। जैसे—

आशु अब पढ़ने लगी है।
मेघ बरसने लगा।

8. अवकाशबोधक : क्रिया के सामान्य रूप के 'ना' को 'ने' करके 'पाना' या 'देना' मिलाने से अवकाश बोधक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे—

अब उसे जाने भी दो।
देखो, वह जाने न पाए।
आखिर तुमने उसे बोलने दिया।

9. परतंत्रताबोधक : क्रिया के सामान्य रूप के आगे 'पड़ना' लगाने से परतंत्रताबोधक क्रिया बनती है। जैसे—

उसे पाण्डेयजी की आत्मकथा लिखनी पड़ी।
आखिरकार बच्चन जी को भी यहाँ आना पड़ा।

10 एकार्थकबोधक : कुछ संयुक्त क्रियाएँ एकार्थबोधक होती हैं। जैसे—

वह अब खूब बोलता-चालता है।
वह फिर से चलने-फिरने लगा है।

नोट :

1. संयुक्त क्रियाएँ केवल सकर्मक धातुओं के मिलने अथवा केवल अकर्मक धातुओं के मिलने से या दोनों के मिलने से बनती हैं। जैसे—

मैं तुम्हें देख लूँगा। वह उठ बैठा है। वह उन्हें दे आया था।

2. संयुक्त क्रिया के आद्य खंड को 'मुख्य या प्रधान क्रिया' और अंत्य खंड को 'सहायक क्रिया' कहते हैं। जैसे— वह घर चला जाता है।
मु. क्रि. स. क्रिया

नामधातु :

"क्रिया को छोड़कर दूसरे शब्दों से (संज्ञा, सर्वनाम एवं विशेषण) से जो धातु बनते हैं, उन्हें 'नामधातु' कहते हैं।" जैसे—

पुलिस चोर को लतियाते थाने ले गई।
वे दोनों बतियाते चले जा रहे थे।
मेहमान के लिए जरा चाय गरमा देना।

www.classroomnotes.in

नामधातु बनाने के नियम :

1. कई शब्दों में 'आ' कई में 'या' और कई में 'ला' के लगने से नामधातु बनते हैं। जैसे—
   मेरी बहन मुझसे ही लजाती है। *(लाज-लजाना)*
   तुमने मेरी बात झुठला दी है। *(झूठ-झुठलाना)*
   जरा पंखे की हवा में ठंडा लो, तब कुछ कहना। *(ठंडा-ठंडाना)*
2. कई शब्दों में शून्य प्रत्यय लगाने से नामधातु बनते हैं। जैसे—
   रंग : रँगना गाँठ : गाँठना चिकना : चिकनाना आदि।
3. कुछ अनियमित होते हैं। जैसे—
   दाल : दलना, चीथड़ा : चिथेड़ना आदि।
4. ध्वनि विशेष के अनुकरण से भी नामधातु बनते हैं। जैसे—
   भनभन : भनभनाना छनछन : छनछनाना टर्र : टरटराना/टर्राना

प्रकार (अर्थ, वृत्ति)

क्रियाओं के प्रकारकृत तीन भेद होते हैं :

1. साधारण क्रिया : वह क्रिया, जो सामान्य अवस्था की हो और जिसमें संभावना अथवा आज्ञा का भाव नहीं हो। जैसे—

मैंने देखा था। उसने क्या कहा?

2. संभाव्य क्रिया : जिस क्रिया में संभावना अर्थात् अनिश्चय, इच्छा अथवा संशय पाया जाय। जैसे—

यदि हम गाते थे तो आप क्यों नहीं रुक गए?
यदि धन रहे तो सभी लोग पढ़-लिख जाएँ।
मैंने देखा होगा तो सिर्फ आपको ही।

नोट : *हेतुहेतुमद् भूत, संभाव्य भविष्य एवं संदिग्ध क्रियाएँ इसी श्रेणी में आती हैं।*

3. आज्ञार्थक क्रिया या विधिवाचक क्रिया : इससे आज्ञा, उपदेश और प्रार्थनासूचक क्रियाओं का बोध होता है। जैसे—

तुम यहाँ से निकलो। गरीबों की मदद करो।
कृपा करके मेरे पत्र का उत्तर अवश्य दीजिए।

अभ्यास

A. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. सामान्यतया क्रिया के .... भेद होते हैं।
   (a) दो (b) तीन (c) चार
2. धातु में 'ना' जोड़ने पर क्या बनता है?
   (a) यौगिक क्रिया (b) सामान्य क्रिया (c) विधिवाचक क्रिया
3. 'जाना' से प्रेरणार्थक रूप बनता है—
   (a) जनाना (b) जनवाना (c) भेजना
4. 'बात' से नामधातु बनेगा—
   (a) बताना (b) बाताना (c) बतवाना (d) बतियाना
5. 'मेघ बरसने लगा' में किस तरह की क्रिया का प्रयोग हुआ है?
   (a) पूर्वकालिक (b) संयुक्त (c) नाम धातु

www.classroomnotes.in

6. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें पूर्वकालिक क्रिया नहीं है?
(a) वह खाकर विद्यालय जाता है। (b) वह खाकर टहलता है।
(c) वह खाकर नहाता है। (d) वह लेटकर खाता है।
7. निम्नलिखित वाक्यों में से किसमें नामधातु का प्रयोग हुआ है?
(a) चाय ठंडी हो गई है थोड़ा गरमा देना। (b) उनकी कहानी समाप्त हो गई है।
(c) प्रदूषण काफी बढ़ गया है। (d) पेड़-पौधे सूख चुके हैं।
8. प्रेरणार्थक क्रिया के कितने रूप होते हैं?
(a) दो (b) चार (c) छह
9. क्रिया सामान्यतया वाक्य में .... का काम करती है।
(a) उद्देश्य (b) विधेय (c) अव्यय
10. 'मुख्य' क्रिया' और 'सहायक क्रिया' ये दोनों किस क्रिया के अंतर्गत आती हैं।
(a) पूर्वकालिक (b) सामान्य (c) संयुक्त
11. इनमें से किस वाक्य की क्रिया विध्यर्थक है?
(a) मेरा नाम मनोज तिवारी है। (b) आप कौन-सा काम करते हैं?
(c) वह घर से निकलने ही वाला है। (d) माता-पिता की सेवा करो।

B. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कुछ शब्दों या एक वाक्य में दें :

1. धातु से आप क्या समझते हैं?
2. क्रियार्थक संज्ञा किसे कहते हैं ?
3. सकर्मक क्रिया का एक उदाहरण दें।
4. अकर्मक क्रिया कब सकर्मक बन जाती है?
5. उदाहरण देकर बताएँ कि एक ही क्रिया अकर्मक एवं सकर्मक दोनों है।
6. द्विकर्मक क्रियावाला एक वाक्य लिखें।
7. पूर्वकालिक क्रिया किस काल में होती है?
8. क्रियाओं के प्रकारकृत कितने भेद हैं?
9. प्रेरणार्थक क्रिया से आप क्या समझते हैं?
10. संयुक्त क्रियावाला एक वाक्य लिखें।
11. एक ऐसा वाक्य लिखें, जिसमें क्रिया कर्त्तानुसार हुई हो।
12. एक ऐसा वाक्य लिखें, जिसमें क्रिया कर्मानुसार हुई हो।
13. एक ऐसा वाक्य लिखें जिसमें दो कर्त्ता एक ही क्रिया करते हों।
14. वाक्य में क्रिया क्या करती है?
15. 'पहन लेना' से एक वाक्य बनाएँ।

C. 'अकर्मक' एवं 'सकर्मक क्रिया' में सोदाहरण अंतर बताएँ।

D. निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सी क्रिया अकर्मक और कौन-सी सकर्मक है? कोष्ठक में लिखें :

1. उसका सिर खुजलाता है। ( )
2. रामू सिर खुजलाता है। ( )
3. पेड़-पौधे शुद्ध हवा देते हैं। ( )
4. बच्चा जोर-जोर से रोता है। ( )
5. गिलास पानी से भरा है। ( )
6. हमने गिलास पानी से भर दिया है। ( )
7. एड़ी घिसती है। ( )
8. घर ढूँढने में उसकी एड़ी घिस गई। ( )
9. पंडित चन्दन घिस रहा है। ( )
10. हमारी गाड़ी पुल पार कर चुकी है। ( )
11. बूँद-बूँद से घड़ा भरता है। ( )

www.classroomnotes.in

E. पढ़ें, समझें और लिखें :

1. उदाहरण : पढ़ — पढ़ा पढ़वा पढ़ाया पढ़वाया

लिख	सुन	बोल	कह	उठ	जग	लौट
जा	घेर	माँग	तैर	बज	धो	कँप

2. उदाहरण : वह सवेरे जल्दी उठ गया। उससे सवेरे जल्दी उठा जाता है।

(a) मैंने उसे जल्दी उठा दिया।
(b) पुलिस ने उसका सामान फेंका
(c) मैंने आपके लड़के को बुला दिया।
(d) उसने मुझे राष्ट्रपति से मिलवा दिया।
(e) तेरी माँ ने कहला दिया।
(f) उसने बत्ती बुझवा दी।
(g) आपने भोजन करवा दिया।
(h) मोहन ने सारा भेद खुलवा दिया।
(i) आपने मुझे कहाँ पहुँचवा दिया ?
(j) तुमने मुझे उस संस्था का सदस्य बनवा दिया।

3. उदाहरण : उठ — उठना उठता उठो उठूँ

बैठ	कह	सूँघ	पूछ	लिख	सह	पकड़	लपेट	सिमट
बहक	सौंप	ले	धो	रो	पी	जी	सी	

F. दिए हुए पदों की सहायता से एक आज्ञार्थक और दूसरा प्रार्थनार्थक वाक्य बनाएँ।

उदाहरण : जा—तू वहाँ मत जा। आप वहाँ मत जाइए।

1. तू वहाँ मत *(जा, बैठ, सो, लेट, दौड़, खोद, टहल)*
   आप वहाँ मत *(जा, बैठ, सो, लेट, दौड़, खोद, टहल)*
2. तू/आप पुस्तक मत *(फाड़, पढ़, लिख, बेच, खरीद, भेज)*
3. तुम/आप अपने कपड़े नहीं *(सिल, पहन, खरीद, बेच, धो)*
4. तुम/आप उसे मत *(मार, पकड़, डाँट, बुला, बता, रोक, हटा)*
5. *(बता, कह, सुन, जा)*, क्या काम है ?

G. नमूने के अनुसार वाक्य परिवर्तन करें :

नमूना : उसे तुम दो : उन्हें आप दीजिए।

(a) उससे तुम ही लो
(b) तुम पिओ
(c) तुम ऐसा ही करो
(d) तुम देख लो
(e) वह जाए
(f) उसे भेज दो
(g) तुम्हीं कह दो
(h) ऐसी बात मत करो
(i) उसे पाँच रुपये दे दो
(j) उसे गाँव भेज दो
(k) चावल खरीद लाओ

H. उदाहरण को समझें और अधूरे वाक्यों को पूरा करें :

उदाहरण : 1. मोहन जाए तो जाए, मैं तो ....
मोहन जाए तो जाए, मैं तो जाकर ही रहूँगा।

(a) रमेश ले तो ले, मैं तो
(b) दिनेश पिये तो पिये, वह तो
(c) वे लौटें तो लौटें, हम तो
(d) पानी बरसे तो बरसे, वे तो
(e) वह बाजार जाए तो जाए, तुम तो
(f) भैया आएँ तो आएँ, मैं तो
(g) सचिन खेले तो खेले, सौरभ तो
(i) तुम उन्हें बुलाओ तो बुलाओ, मैं तो
(j) मंत्री जी जाएँ तो जाएँ, दामोदर जी

2. उपर्युक्त वाक्यों को इस प्रकार भी बदलकर लिखें :

(a) मोहन जाए या न जाए, मैं तो जाने ही वाला हूँ।
(b) मोहन जाए या न जाए, मैं तो जाऊँगा ही।
(c) मोहन जाए या न जाए, मैं क्यों नहीं जाऊँ ?

www.classroomnotes.in

3. ....कि आप अभी यहीं रुकें।
मैं चाहता हूँ कि आप अभी यहीं रुकें।

इस तरह अपने मन से उपयुक्त वाक्यांश जोड़कर निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करें :

(a) .... कि आप इस झगड़े में न पड़ें।
(b) .... तो आप आएँ, अन्यथा .... ।
(c) आप रुकें तो .... ।
(d) वे जब भी मिलें .... ।
(e) .... कि आप कुछ दिन यहीं ठहरें ।
(f) .... कि आप टीम में न खेलें ।
(g) आप थियेटर जाएँ, तो .... ।
(h) .... कि आप आ जाएँ तो .... ।
(i) .... आप मुझे शर्मिन्दा न करें।
(j) आप जाएँ तो तो जाएँ, पर वह .... ।
(k) .... कि बच्चों का मार्गदर्शन करें।
(l) मेरी प्रार्थना है कि आप .... ।
(m) ऐसा कहकर उन्हें .... करें।
(n) .... तो मेरे यहाँ जरूर पधारें।

CBSE में पूछे गए क्रिया-संबंधी प्रश्नोत्तर

माधव सो रहा है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2000]*
खिलौना किसने तोड़ा ?	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2000]*
मैंने उससे खत लिखवाया।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2000]*
राजू को दवा पिलाओ।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2000]*
वह तेज दौड़ता है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
ड्राइवर बस चला रहा है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
सूर्य संसार को प्रकाश देता है।	*(सकर्मक + द्विकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
वे किसान से खेत जुतवाते हैं।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2001]*
वे रात भर जागते रहे हैं।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
रोगी गाय का दूध पीता है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
आश्रम में गरीबों को भोजन दिया जाता है।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
वृक्षारोपण के लिए गढ़े खुदवाए गए।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2001]*
कमल सोच रहा है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
मैंने खाना बनवाया है।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2001]*
वह चित्र बना रहा है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
सुरेश ने मुझे सौ रुपए दिए।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
उसने पत्र पढ़वाया।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2001]*
मोहन हँसने लगा।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
रमेश ने सुरेश को पुस्तक दी।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
सलोनी आम खाती है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2001]*
सौरभ ने पुस्तक खरीदी।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
मोहन ने नरेंद्र से चाय पिलवाई।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2002]*
सुरेश ने मित्र को पत्र लिखा।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
वह हँसेगा।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
अध्यापक ने प्राचार्य को लड़को से राष्ट्रीय गीत सुनवाया।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2002]*

www.classroomnotes.in

बच्चों ने हमें एक भजन सुनाया।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
दिनेश पढ़ रहा है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
मैं हँसता हूँ।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2002]*
मनीषा फल खाती है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
दादी ने कहानी सुनाई ।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
गीता ने महेश को गीत सुनाया।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
मोहन ने खेत जुतवाया।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2003]*
ममता जूते पर पालिश करवाती है।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2003]*
ममता पुस्तक पढ़ती है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
माँ बालक को दूध देती है।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
पक्षी उड़ते हैं।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2003]*
दिनेश ने खाना खिलवाया ।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2004]*
आशा पुस्तक पढ़ रही है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
बच्चा सो रहा है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
वह भाई से खाना बनवाता है।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2004]*
रचना हँस रही है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
मीना ने मुझे चाय पिलाई।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
हम लोग आम खा रहे हैं।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
मनु दिन में सोता है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
सौरभ ने पिताजी को पत्र लिखा।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
पर्वतारोही शिखर पर पहुँच गए।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
अध्यापक छात्रों को पाठ रटवाते हैं।	*(प्रेरणार्थक)*	*[CBSE 2004]*
माली ने सौरभ को संस्कृति पढ़वाई।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
गीता ने मित्र को पत्र लिखा।	*(द्विकर्मक)*	*[CBSE 2004]*
शीला टेनिस खेल रही है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
रोगी को देख लो।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
हम उसे नहीं जानते।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
तुम अभी चले जाओ।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
मैं उससे नहीं बोलता हूँ।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
तुम कहाँ रहते हैं?	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
उसने पत्र लिखा है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
वे कहाँ रहते हैं?	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2005]*
सुरेश बच्चे को सुला रहा है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2008]*
वह प्रतिदिन कई किलोमीटर दौड़ता है।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2008]*
विक्रम उपन्यास पढ़ता है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2008]*
पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।	*(अकर्मक)*	*[CBSE 2008]*
माली ने पके-पके आम तोड़े हैं	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2008]*
सृष्टि समाचारपत्र पढ़ती है।	*(सकर्मक)*	*[CBSE 2008]*

उत्तर

A. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (a) 2. (b) 3. (c) 4. (d) 5. (b) 6. (d) 7. (a)
8. (a) 9. (b) 10. (c) 11. (b)

★★★

www.classroomnotes.in